गिनेटा सागन

(1925-2000)

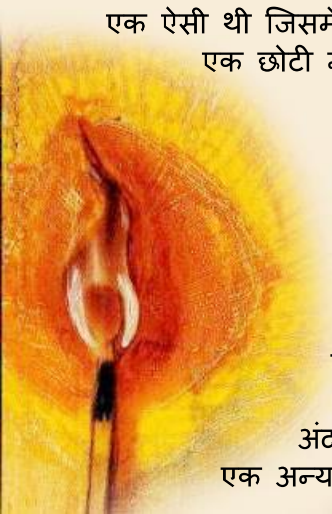
1930 और 40 के दशक की शुरुआत में, हिटलर, यहूदी लोगों की हत्या करने के अपने मिशन में अकेला नहीं था.





इटली के शासक बेनिटो मुसोलिनी की भी यही दुष्ट इच्छा थी. मुसोलिनी, हिटलर का सहयोगी था. मुसोलिनी की "फासिस्ट पार्टी" ने बड़ी संख्या में यहूदी लोगों और गैर-यहूदी लोगों को मार डाला और उन्हें कैद किया. मुसोलिनी का विरोध करने वालों में गिनेटा सागन के माता-पिता भी शामिल थे. जब गिनेटा मोरोनी (उसका मूल नाम) केवल अठारह वर्ष की थी, उसकी माँ, जो एक यहूदी थीं, को एक यातना शिविर में ले जाया गया ... जहाँ उनकी मृत्यु हो गई. उसके पिता को फासीवादी सैनिकों ने, सड़क पर गोली मार दी. वो इतालवी प्रतिरोध के एक जाने-माने सदस्य थे - ऐसे इटालियंस, जिन्होंने यहूदियों को इटली से भागने में मदद करके फासीवादियों के शासन का विरोध किया था.

गिनेटा पहले से ही प्रतिरोध की सदस्य थी जब उसके माता-पिता दोनों को क़त्ल कर दिया गया था. उसकी भूमिका एक ऐसी थी जिसमें बहुत साहस की ज़रुरत थी. हालाँकि वो एक छोटी महिला थी, केवल 4 फीट 11 इंच ऊंची, वो व्यक्तिगत रूप से 500 यहूदियों और फासीवाद-विरोधी को इतालवी सीमा पार स्विट्जरलैंड में ले गई, जहाँ वे सुरक्षित रह सके. वो एक खतरनाक यात्रा थी, और अंत में उसे फासीवादी सैनिकों ने पकड़ लिया और एक अंधेरी कोठरी में फेंक दिया, जहाँ उसे पैंतालीस दिनों तक प्रताड़ित किया गया. उस दौरान, एक जेल गार्ड ने उसकी कोठरी में डबलरोटी के अंदर दबी माचिस फेंक दी. माचिस के अंदर एक अन्य माचिस और एक लिखित नोट रखा था.



माचिस की तीली जलाकर गिनेटा ने वो नोट पढ़ा. उसमें लिखा था, "धीरज रखो! हम तुम्हारी मदद करने की कोशिश कर रहे हैं." फिर कुछ समय बाद, दो "गार्डों" ने नाज़ी होने का नाटक करते हुए उसे जेल की कोठरी से बाहर निकाला - और उसे आज़ाद कर दिया!

मुक्त होने के बाद गिनेटा सागन ने अपना शेष जीवन, दुनिया भर के अन्य लोगों की मदद करने के लिए समर्पित किया - विशेष रूप से यातना और अनुचित कारावास के शिकार लोगों का. वो बिना डरे, अक्सर अलग-अलग भेष बनाकर और नकली पहचान के साथ उन देशों में घुस जाती थी जहां के लोगों को गलत तरीके से जेल में डाला गया था. अमेरिका में, जहां वो बस गई थी, गिनेटा ने "एमनेस्टी इंटरनेशनल" नामक एक संगठन बनाने में मदद की. "एमनेस्टी" का अर्थ है स्वतंत्रता, और "एमनेस्टी इंटरनेशनल" उन लोगों को बचाने के लिए प्रतिबद्ध था जिनकी स्वतंत्रता छीन ली गई थी. गिनेटा ने अमेरिका का पहला "एमनेस्टी इंटरनेशनल" न्यूज़लेटर शुरू किया, जिसका नाम "मैचबॉक्स" था और उसका वो नाम, गिनेटा द्वारा माचिस प्राप्त करने के सम्मान में दिया गया था. गिनेटा का लक्ष्य गलत तरीके से जेल में बंद लोगों को वही आशा देनी थी जो उसे खुद एक बार मिली थी - उसने पत्र लिखकर, कैदियों के पास जाकर, और उनके जेलरों पर उन्हें रिहा करने या कम-से-कम उनके साथ मानवीय व्यवहार करने के लिए दबाव बनाया. "एमनेस्टी इंटरनेशनल" का प्रतीक - कांटेदार तार में लिपटी एक मोमबत्ती को - हालांकि गिनेटा ने नहीं बनाया था, पर वो निश्चित रूप से गिनेटा के स्वयं के व्यक्तिगत प्रतीकों को उजागर करता था: जैसा कि बाद में हुआ, गिनेटा ने कांटेदार तार का एक टुकड़ा उस बाड़ से काटा जो कभी इटली और स्विट्ज़रलैंड को विभाजित करती थी. गिनेटा सागन की आत्मा उस मोमबत्ती की तरह थी जिसे कोई कभी बुझा नहीं सकता था.